वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहलें

क्रम सं.	कार्यान्वयन एजेंसी और राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (रा.ल.उ.नि.) कार्यालय का नाम	परियोजना की प्रकृति
1.	**रूरल एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट सोसायटी (आरएडीएस)** शाखा कार्यालय बंगलौर	कोलार जिला, कर्नाटक के ग्रामीण क्षेत्र में स्कूली बच्चों और जनता के लिए लघु कंप्यूटर प्रयोगशाला सहित आधुनिक पुस्तकालय की स्थापना। इस परियोजना से लाभान्वितों की कुल संख्या लगभग 2000 थी।
2.	**नेत्रहीन विकास संस्थान** शाखा कार्यालय जयपुर	इस पहल के अंतर्गत निम्नलिखित परियोजनाएं शुरू की गईं: • दृष्टिबाधित बच्चों के लिए कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किया गया। • दृष्टिबाधित बच्चों के लिए अंग्रेजी बोलने का प्रशिक्षण कार्यक्रम। • दृष्टिबाधित बच्चों के लिए व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम। • मूक और बधिर बच्चों के लिए सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम। • मूक और बधिर बच्चों के लिए हस्तशिल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम। • दृष्टि बाधित बच्चों के लिए संगीत प्रशिक्षण कार्यक्रम। • दृष्टि बाधित और मूक एवं बधित बच्चों के लिए योगा और शारीरिक प्रशिक्षण। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से 275 व्यक्ति लाभान्वित हुए।
3.	**भारतीय को-ऑपरेटिव ग्रामीण विकास एवं निर्माण लिमिटेड** शाखा कार्यालय नोएडा	बस्ती जिले में 29,150/- रुपए प्रति हैंड पम्प की दर से 40 हैंड पम्प और 50,000/- रुपए के अन्य संबंधित व्यय से हैंड पम्प लगाकर सुरक्षित पेय जल प्रदान किया। इस परियोजना से प्रत्येक दिन लगभग 50 व्यक्ति प्रति हैंड पम्प लाभान्वित हुए।

4.	**हैंडिकैप्ड वेल्फेयर फेडरेशन (एचडब्ल्यूएफ)** शाखा कार्यालय दिल्ली	एनएसआईसी द्वारा पहले से स्थापित कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र की संचालन लागत प्रदान की गई। इसमें अनुदेशकों, हेल्पर, पार्ट टाइम लेखाकार, पार्ट टाइम हाउसकीपिंग का वेतन शामिल है। इसमें लेखन-सामग्री, लेखापरीक्षकों का शुल्क, कंप्यूटरों का वार्षिक रखरखाव और उपभोग प्रभार, दूरभाष और इंटरनेट प्रभार, फर्नीचर की मरम्मत एवं अनुरक्षण और विविध व्यय भी शामिल हैं। शाखा कार्यालय, संसद मार्ग और आंचलिक प्रमुख (एनसीआर) द्वारा पूर्वप्रभाव, अर्थात् सितंबर, 2016 से संचालन की लागत प्रदान करने सिफारिश की गई है क्योंकि यह परियोजना की निरंतरता के लिए अगस्त, 2017 तक प्रदान की गई थी।
5.	**डिस्ट्रिक्ट रूरल डेवलपमेंट एजेंसी (डीआरडीए)- वारंगल** एनटीएससी हैदराबाद	कंप्यूटर और ब्यूटीशियन पाठ्यक्रमों संबंधी एक साल के प्रशिक्षण के लिए इनक्युबेशन सेंटर के संचालन की लागत प्रदान की गई। इस केंद्र की पूर्व में एनएसआईसी द्वारा स्थापना की गई थी। इस परियोजना के माध्यम से कंप्यूटर में प्रशिक्षण से 200 युवा और ब्यूटीशियन पाठ्यक्रमों द्वारा 120 महिलाएं लाभान्वित हुए।
6.	**मिश्रास फाउंडेशन** शाखा कार्यालय चेन्नै	गरीबी रेखा से नीचे के बच्चों को कैंसर उपचार के माध्यम से अनुसमर्थन कार्यक्रम प्रदान किया गया। कैंसर से प्रभावित बच्चों को कीमोथेरेपी (इंजेक्शन और औषधियां), रेडियो उपचार, शल्यचिकित्सीय आवश्यकताएं, प्रॉस्थेटिक्स और पोषण अनुसमर्थन तथा शैक्षणिक सहायता तथा सहयोग प्रदान किया गया। उन्हें फिजियोथेरेपिस्ट और परामर्शदाता की सेवाएं भी प्राप्त हुईं। इस परियोजना के माध्यम से कैंस से ग्रसित 290 बच्चे लाभान्वित हुए।
7.	**रामा फाउंडेशन** शाखा कार्यालय नोएडा	घरेलू कामकाजी बच्चों/दैनिक दिहाड़ी मजदूरों, जो अपने घरों से दूर हैं, को शैक्षणिक सुविधाएं और पोषण अनुपूरक प्रदान करके चल रही परियोजना 'दुलार' के लिए सहायता। इस परियोजना से वर्ष भर में लगभग 50 बच्चों का लाभ होगा।
8.	**मैत्री परीक्षा सेवा मिशन** एनटीएससी ओखला	दक्षिणपुरी, नई दिल्ली के सुविधावंचित बच्चों को शैक्षणिक सुविधाएं प्रदान करके चल रहे प्राथमिक स्कूल ट्युशन क्लासेज को सहायता। इसमें पुस्तकों हेतु आवर्ती व्यय, मुद्रण एवं

		लेखन-सामग्री, भोजन, चिकित्सा सहायता, अध्यापकों के वेतन, सहायक स्टाफ एवं परियोजना समन्वयक और परियोजना से संबंधित अन्य व्यय शामिल हैं। निगम ने इस परियोजना को पिछले चार वर्षों से लिया हुआ है। परियोजना की निरंतरता और धारणीयता को बनाए रखना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एनटीएससी, ओखला ने सिफारिश की गई है परियोजना को पूर्वप्रभाव अर्थात अप्रैल, 2017 से मार्च, 2018 तक लिया जाए। वर्ष के दौरान इस परियोजना से लगभग 100 बच्चे लाभान्वित हुए।
9.	**वूमेन चिल्ड्रेन वेल्फेयर एंड रूरल डेवलपमेंट सोसायटी (वार्डस)** शाखा कार्यालय जयपुर	जिला अजमेर, राजस्थान में दस स्थानों पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए (गांव - रालावता, पीनग्लोट, खतोली, सिंगारा, मोहन पुरा, रामनर की धानी, चीताखेडा, स्लेमाबाद, सराना और मांगरा)। शिविरों ने निम्नलिखित मुद्दों को हल किया: क) स्वाथ्य सेवाएं प्रदान की, ख) महिलाओं के लिए स्वास्थ्य जागरूकता, ग) स्वास्थ्य आवश्यकताएं, घ) सामान्य स्वास्थ्य जागरूकता प्रदान की।
10.	**स्टार यूथ एसोसिएशन** शाखा कार्यालय हैदराबाद	टेलरिंग के क्षेत्र में व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया और प्रशिक्षणार्थियों को सिलाई मशीनें प्रदान की गईं। प्रशिक्षण केंद्र में प्रयोग हेतु फर्नीचर के संबंध में 99,500/- रुपए, 10 सिलाई मशीनें और ओवरलॉक मशीनों सहित 2 जिग जैग का एकबारगी पूंजीगत व्यय है। अनावर्ती व्यय में किराये संबंधी व्यय, मुख्य अनुदेशक का वेतन, कटिंग मास्टर, टेलरिंग अनुदेशक और अन्य व्यय शामिल हैं। इस परियोजना के माध्यम से अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति की 30 महिलाएं लाभान्वित हुईं।
11.	**भारत विकास परिषद चैरिटेबल ट्रस्ट, पंजाब** शाखा कार्यालय लुधियाना	क्षेत्र के युवाओं के लिए रोज़गार अवसरों के सृजन हेतु बुनाई उद्योग के क्षेत्र में पहले से स्थापित व्यावसायिक एवं पुनर्वास केंद्र हेतु आवर्ती व्यय प्रदान किया गया। इसमें अनुदेशकों का वेतन, यार्न की लागत एवं धागा, विद्युतीय और परियोजना से संबंधित अन्य व्यय शामिल हैं। निगम ने इस परियोजना को पिछले तीन वर्षों से ले रखा है। परियोजना की निरंतरता और धारणीयता बनाए रखने को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से

		लुधियाना के शाखा प्रमुख और आंचलिक प्रमुख (नॉर्थ-।।) ने सिफारिश की है कि परियोजना को पूर्व-प्रभाव अर्थात् अप्रैल, 2017 से मार्च, 2018 तक की एक वर्ष की अवधि के लिए लिया जाए। इस परियोजना के माध्यम से एक वर्ष में लगभग 120 लाभार्थी लाभान्वित हुए।
12.	**भारत विकास परिषद् चैरिटेबल ट्रस्ट, पंजाब** शाखा कार्यालय जालंधर	जालंधर, फिलौर, कपूरथला, होशियारपुर, अमृतसर, गुरदासपुर, पठानकोट, बटाला और तरन तारन में विकलांगता शिविरों के माध्यम से विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों को कृत्रिम अंग प्रदान किए गए। सहायक यंत्र और उपकरणों में निम्न और ऊपर अंग/ कैलिपर/ तिपहिया साइकिलें/ व्हील चेयर/ श्रवण सहायक यंत्र/ बैसाखियां शामिल हैं। इस परियोजना से लगभग 500 से 550 विशेष रूप से सक्षम व्यक्ति लाभान्वित हुए।
13.	**आर्टिफिशियल लिम्बस मैनुफैक्चरिंग कॉरपोरेशनल ऑफ इंडिया (एलिम्को)** एनटीएससी हैदराबाद	तेलंगाना के सिद्दीपेट जिले में नि:शुल्क तिपहिया साइकिलें, व्हील चेयर्स, क्रचेज, वाकिंग स्टिक, ब्रेल केन, स्मार्ट केन, दृष्टिहीनों के लिए टैबलेट, एमएसआईईडी किट, कुष्ठरोगियों के लिए एडीएल किट, विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडीज) के लिए बीटीई डिजिटल श्रवण सहायक यंत्र प्रदान किए गए। इस परियोजना से लगभग 120 विकलांग व्यक्ति लाभान्वित हुए।
14.	**दॅ लेप्रोसी मिशन ट्रस्ट इंडिया (टीएलएमटीआई)** शाखा कार्यालय दिल्ली	टीएलएम कम्युनिटी अस्पताल, शाहदरा, दिल्ली में कुष्ठरोग ग्रेड ।। से ग्रसित विकृतियों से प्रभावित 50 व्यक्तियों की हाथ, पांव, आंखों आदि की नि:शुल्क पुनर्निर्माण शल्य चिकित्साएं (आरसीएस) की गईं।
15.	**ब्लाइंड पीपुल्स एसोसिएशन (इंडिया)** शाखा कार्यालय अहमदाबाद	अहमदाबाद में विभिन्न विकलांगताओं वाले व्यक्तियों को नि:शुल्क तिपहिया साइकिलें, व्हील चेयर्स, स्मार्ट केन, डिजिटल श्रवण सहायक यंत्र, कृत्रिम टांग और आथ प्रदान किए गए। इस परियोजना से लगभग 264 व्यक्ति लाभान्वित हुए।
16.	**कृषिमित्र एग्रोटेक बहुद्देश्यीय संस्था, कुहि** शाखा कार्यालय नागपुर	ड्रेस डिजाइनिंग और टेलरिंग (कौशल विकास प्रशिक्षण) में समाज के कमजोर वर्ग की महिलाओं हेतु व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। यह व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम नागपुर जिले के पिछड़े क्षेत्रों के छह स्थानों अर्थात हुधकेश्वर, गोंडवाना, कटोल, खर्बी, डिघोरी और गोधनी में प्रत्येक की बजट लागत

		2,40,000/- रुपए पर आयोजित किया गया। इस परियोजना से 180 महिलाएं लाभान्वित हुईं।
17.	**हैंडिकैप्ड वेल्फेयर फाउंडेशन** शाखा कार्यालय दिल्ली	सीएसआर पहलों के अंतर्गत एनएसआईसी द्वारा पहले से स्थापित कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र की संचालन लागत प्रदान की गई। इस परियोजना के अंतर्गत व्यय मुख्य रूप से एक वर्ष के लिए संचालन लागत है, जिसमें प्रशासनिक और रखरखाव लागतें भी शामिल हैं। फील्ड कार्यालय और आंचलिक प्रमुख द्वारा परियोजना की निरंतरता के लिए सितंबर, 2017 से एक वर्ष के लिए अर्थात अगस्त 2018 तक संचालन लागत प्रदान करने हेतु (क्योंकि इसे अगस्त, 2017 तक प्रदान किया गया था) सिफारिश की गई है। इस परियोजना से लगभग 575 छात्र लाभान्वित हुए, जिसमें विशेष रूप से सक्षम छात्र भी शामिल हैं।
18.	**एसोसिएशन फॉर ब्लाइंडनेस एंड लेप्रोसी इरैडिकेशन** शाखा कार्यालय फरीदाबाद	100 आंखों के शिविर आयोजित किए गए और नि:शुल्क मोतियाबिंद शल्य चिकित्साएं की गईं। लाभार्थी शिविरों से थे, जिन्हें हरियाणा के फरीदाबाद, नुह, मेवात, हथिन, हासनपुर, होडल और उत्तर प्रदेश के कोसी और आसपास के जिलों में आयोजित किया गया था। इस परियोजना से चक्षु मोतियाबिंद शल्य चिकित्सा संबंधी 1000 व्यक्ति लाभान्वित हुए।
19.	**संजीवनी सोशल वेल्फेयर सोसायटी** शाखा कार्यालय कानपुर	दिव्यांग पर प्रमुख ध्यान केंद्रित करते हुए, उत्तर प्रदेश के जिले, नामत: देवरिया प्रोपर, सुरौली पैकोली मार्किट, तरकुलवा मार्किट, बरियारपुर, गुरवलिया मार्किट/ तुर्कपट्टी, जेउरा बाजार, सलीमगढ और बिसनपुर कला में शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों से कोजेनाइटल विकलांगत वाले 50 बच्चों की उपचारी शल्यचिकित्साएं की गईं।
20.	**डायबिटीज केयर फाउंडेशन ऑफ इंडिया (डीसीएफआई)** एनटीएससी ओखला	दिल्ली की सरकार के सहयोग से छतरपुर में समाज के कमजोर वर्गों के लिए मधुमेह उपचार शिविर आयोजित किए गए। मधुमेह और हाइपरटेंशन के रोगियों की जांच और उपचार का ऐसे गरीब रोगियों का विश्लेषण, विशेषीकृत उपकरण/मशीनों से किया गया जो महंगा उपचार कराने में असमर्थ हैं। उक्त शिविर 45-50 दिन चलेगा। परियोजना से लगभग 570 रोगी लाभान्वित होंगे।

21.	**मिथ्रास फाउंडेशन** शाखा कार्यालय चेन्नै	गरीबी रेखा से नीचे के बच्चों को कैंसर उपचार के लिए अनुसमर्थन कार्यक्रम प्रदान किया गया। कैंसर से प्रभावित बच्चों को कीमोथेरेपी (इंजेक्शन और औषधियां), रेडियो निदान, शल्यचिकित्सीय आवश्यकताएं, प्रॉस्थेटिक्स और पोषण समर्थन और शैक्षणिक सहायक यंत्र और सहयोग प्रदान किया गया। इसे कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा प्रबंधित किया गया। इस परियोजना से गरीबी रेखा से नीचे के कैंसर से प्रभावित लगभग 100 बच्चे लाभान्वित हुए।
22.	**स्वच्छ भारत कोष** मुख्य कार्यालय	'स्वच्छ भारत कोष' में अंशदान दिया गया।